भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 760
26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

क्षय रोग का प्रसार

760. श्री सुब्बारायण के:
श्री सेल्वाराज वी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या क्षय रोग के वास्तविक मामले सूचित दरों से बहुत अधिक हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सरकार द्वारा क्षय रोग के मामलों का सही आंकड़ा जानने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं;
(ग) देश में विगत दस वर्षों के दौरान के क्षय रोग मामलों का ब्यौरा क्या है;
(घ) वर्ष 2014 से अब तक क्षय रोग के कारण प्रति मिनट होने वाली मौतों की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने क्षय रोग के प्रसार और व्यापकता का कोई सामाजिक-आर्थिक अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(च) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में पूरे देश में अविलंब कोई सर्वेक्षण करने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(छ) क्षय रोग उन्मूलन के लिए वर्ष 2044 से अब तक आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक टीबी रिपोर्ट, 2023 के अनुसार 2022 में भारत में अनुमानित टीबी मामले 28.2 लाख थे और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत 24.2 लाख मामले दर्ज किए गए थे। इसके अलावा, सभी टीबी मामलों का पता लगाने और उसका उचित उपचार करने के लिए एनटीईपी द्वारा किए जाने वाले प्रमुख क्रियाकलाप इस प्रकार हैं:

- उच्च रोगभार वाले क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप के लिए राज्य / जिला विशिष्ट रणनीतिक योजना।
- दवा प्रतिरोधी टीबी रोग सहित टीबी रोगियों के लिए मुफ्त दवाओं और निदान का प्रावधान।
- प्रमुख कमजोर वर्ग और सह-रुग्ण आबादी में सक्रिय टीबी मामलों का पता लगाने हेतु अभियान।
- समुदाय के करीब स्क्रीनिंग और उपचार सेवाओं को विकेंद्रीकृत करने हेतु आयुष्मान आरोग्य मंदिर के साथ एकीकरण।
- टीबी मामलों की संसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन सहित निजी क्षेत्र की भागीदारी।

- उप-जिला स्तर तक आणविक नैदानिक प्रयोगशालाओं का विस्तार।
- कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए गहन आईईसी अभियान।
- निक्षय नामक मामला-आधारित वेब-आधारित पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित टीबी मामलों को ट्रैक करना।

वर्ष 2014 से टीबी के कारण अनुमानित टीबी मामले और प्रति मिनट होने वाली मौतों का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ङ) और (च): मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के माध्यम से उप-राष्ट्रीय स्तर पर टीबी के रोगभार का आकलन करने के लिए 20 राज्य/राज्यों के समूह में एक राष्ट्रीय टीबी प्रसार सर्वेक्षण किया है। सर्वेक्षण द्वारा "देश में 2021 में सभी आयु वर्गों के लिए टीबी के सभी रूपों के मामलों की व्यापकता 312/लाख जनसंख्या के रूप में प्रदर्शित हुई"। राज्यों में टीबी के उच्च मामले वृद्ध आयु समूहों, टीबी के पुराने रोगी, कुपोषित, धूम्रपान करने वालों, शराबियों और ज्ञात मधुमेह रोगियों में पाए गए।

(छ) वर्ष 2014 से राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी उन्मूलन हेतु आवंटित धनराशि का ब्यौरा निमन्वत है-

वित्त वर्ष	**आवंटन (करोड़ रुपए में)**
2014-15	710.15
2015-16	640.00
2016-17	640.00
2017-18	1840.00
2018-19	2840.00
2019-20	3333.21
2020-21	3109.93
2021-22	3409.94
2022-23*	1666.33
2023-24*	1888.82
2024-25*	1871.84

* आवंटन में वर्ष 2022-23 से आगे आवंटन में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दिया जाने वाला नकद अनुदान शामिल नहीं है जिसे एनएचएम द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सीधे एक साझा पूल अर्थात आरसीएच फ्लेक्सिबल पूल के रूप में जारी किया गया है, जिसमें टीबी भी शामिल है।

******

दिनांक 26.07.2024 को नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 760 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक-I

वर्ष 2014 से टीबी की मामलों और टीबी से होने वाली अनुमानित मौतों का ब्यौरा			
वर्ष	अनुमानित टीबी भार (पूर्ण संख्या में)	अनुमानित टीबी मृत्यु दर (पूर्ण संख्या में)	अनुमानित टीबी मृत्यु दर (पूर्ण संख्या में)/मिनट
2014	31,80,000	3,91,000	0.74
2015	31,30,000	3,73,000	0.71
2016	30,20,000	3,58,000	0.68
2017	29,30,000	3,44,000	0.65
2018	28,50,000	3,34,000	0.64
2019	28,00,000	3,21,000	0.61
2020	27,50,000	3,32,000	0.63
2021	28,10,000	3,50,000	0.67
2022	28,20,000	3,31,000	0.63

स्रोत: वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023

*****